



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रारिधकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, जनवरी 4, 1996/पीए 14, 1917

No. 14]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 4, 1996/PAUSA 14, 1917

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1996

का.आ. 16 (अ) :- केन्द्र सरकार की यह राय है कि दिनांक 1-6-1995 को पूर्व रेल के आसनसोल मंडल पर कालूवथान स्टेशन की लूप लाइन पर खड़ी बी.के.एस. सी. मालगाड़ी के पिछले भाग के साथ 3151 सियालदह-जम्मू तवी एक्सप्रेस की भिड़त होने तथा 1-6-1995 को दक्षिण पूर्व रेल के संबलपुर मंडल पर संबलपुर-टिटिलागढ़ खंड के वरणसी और डुंगरीपाला स्टेशनों के बीच ब्लाक खंड में 8448 हीराखंड एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटनाओं के कारणों की जांच करने के लिए एक जांच आयोग की नियुक्ति करना आवश्यक है।

2. अतएव अब जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा एक जांच आयोग की नियुक्ति करती है जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय

के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, जस्टिस एन. वेंकटेश्वरा इसके एकमात्र सदस्य होंगे।

3. उक्त जांच आयोग के निम्नलिखित कार्य होंगे -

(क) उपर्युक्त दोनों दुर्घटनाओं के कारणों का जांच करना तथा इस प्रयोजन हेतु आवश्यक साक्ष्य प्राप्त करना।

(ख) उपर्युक्त दुर्घटनाओं के कारणों तथा इसके लिए जिम्मेवार व्यक्ति या व्यक्तियों, यदि कोई हों, के बारे में अपने निष्कर्ष देना, तथा

(ग) भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में सुझाव देना।

4. इसके अलावा, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) का धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार यह निदेश देती है कि उक्त धारा के उप खंड (2), उप खंड (3) तथा उपखंड (5) के सभी प्रावधान उक्त जांच आयोग पर लागू होंगे।

5. उक्त आयोग का मुख्यालय बेंगलूर में होगा।

6. उक्त आयोग अपनी जांच शुरू करने का तारीख से चार महीने की अवधि के भीतर केन्द्र सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

[सं. 95/ई(ओ)II/1/1]

एस. सूर्यनारायणन, सचिव

MINISTRY OF RAILWAY

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th January, 1996

S.O. 16(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an enquiry into the causes of the accidents involving collision of 3151 Sealdah-Jammu Tawi Express with the rear portion of BKSC freight Train standing on the loop line at Kalubathan Station on Asansol Division of Eastern Railway on 1-6-1995 and derailment of 8448 Hirakhand Express in the block section between Barpali and Dugripali stations of Sambhalapur-Titlagarh Section of Sambhalpur Division of South Eastern Railway on 1-6-1995.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry

consisting of Justice N. Venkatachala, a retired Judge of the Supreme Court of India as its sole member.

3. The said Commission of Inquiry shall—

- (a) make an inquiry into the causes of above said accidents and for that purpose, take such evidence as may be necessary;
- (b) state its finding as to causes of the said accidents and as to the person or persons, if any, responsible therefor; and
- (c) suggest safeguards against similar accidents in future.

4. Further, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government directs that all provisions of sub-section (2), sub-section (3) and sub-section (5) of the said section shall apply to the said Commission of Inquiry.

5. The headquarters of the said Commission will be at Bangalore.

6. The said Commission shall submit its report to the Central Government within a period of four months from the date on which it commences its inquiry.

[No. 95/E(O)II/1/1]

S. SURYANARAYANAN, Secy.